# कोराना वायरस (कोविड –19) के संक्रमण के खतरे को दूर करने हेतु दिशा निर्देश


**कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)**

**(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना)**

**ग्रामीण कृषि मौसम – महासमुन्द**

**श्री दिपांशु मुखर्जी, डॉ. एस. के वर्मा, डॉ एस. सी. मुखर्जी एवं डॉ. जी. के. दास**


कोविद – 19 के फैलने के खतरे के बीच, रबी फसलों के पकाव का समय आ रहा है। फसल कटाई और उत्पादन को सुरक्षित रखना जिसमें शामिल है तथ इसको विपणन के लिये तत्काल ले जाना भी टाला नहीं जा सकता क्योकि कृषि कार्य होते समयबद्ध होते है। परंतु किसानों को बीमारी के फैलाव को रोकने के लिये साबवधानियों ाटर सुरक्षा उपायों को अपनाना पड़ेगा। साधारण उपायों में सम्मिलित है सामाजिक दूरी, हाथों को साबुन से धोकर अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, चेहरे पर मास्क पहनना, सुरक्षा परिधान और औजारों और मशीनों की सफाई। श्रमिकों को कृषि कार्यो की पूरी प्रक्रियाओं के दौरान प्रत्येक कदम पर सामाजिक दूरी और सुरक्षा उपायों को अपनाना चाहिए।

| | |
|---|---|
| किसानों को उनके खेतों व सब्जियों की तुड़ाई तथा उत्पादों को बिना रूकावट बाजार में परिवहन के लिये सलाह जारी की गई। | यदि भूसा नहीं बनाना हो तो कटाई उपरांत खेत में जैव अवशेष अपघटक (बायो–वेस्ट डिकम्पोसर/बायोडायजेस्टर) का छिड़काव करे जुताई करें। आठ से दस दिन उपरांत पुनः जैव अवशेष अपघटक का छिड़काव करें। |
| फसल की कटाई से पहले भाडारित करने वाली जगह को तैयार रखें जो साफ एवं सुरक्षित होना चाहिए। | कटाई से पूर्व उचित स्थान पर खलिहान तैयार करें जो पशुओं से सुरक्षित हो। यदि खलिहान के आस–पास विद्युत तारें हो तो जुड़े हुए भाग पर टेपिंग करें। |
| कटार्द के बाद फसल अवशेषों को जलाने से बचें। कटाई के बाद खेत में वेस्ट डिकम्पोजर का छिड़काव करें और खेत की जुताई करें व जुताई के आठ से दस दिन बाद फिर से इनका छिड़काव करें जिससे फसल अवशेष मृदा के अंदर अच्छी तरह से डिकम्पोज हो जाये। | किसान भाई किसी भी प्रकार के सामाजिक एवम् धार्मिक आयोजन से दूर रहें। |
| सब्जियों के टोड़ाई करते अक्त दस्ताने पहने व चेहरे पर मास्क लगावे तथा आपस में 2 मीटर की दूरी बनाए रखे। | कृषक भाई धूम्रपान एवम् तम्बाकू से दूर रहें। |
| कार्यरत सभी व्यक्तियों को मास्क का उपयोग करना चाहिए और समुचित अंतराल पर साबुन से हाथ धोना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। | कृषक भाई आवश्यक काय हान का स्थात म हा घर स बाहर निकले। |
| जहां कटाई / चुनाई कर कार्य हाथों से हो रहा हो, वहां कार्य को 4–5 फीट चौड़ई की पट्टियों में किया जाना चाहिए और एक पट्टी में एक व्यक्ति कार्य करना चाहिए। इससे कार्यरत श्रमिकों में समुचित दूरी सुनिश्चित होगी। | कृषि कार्य व कटाई गई कार्य करते समय 1-5 से 2 मीटर की दूरी में रहकर कार्य करे। |
| आराम के दौरान, खाना खाते समय, उत्पाद का संग्रहण केन्द्र पर परिवहन के समय, उतारते/चढ़ाते समय 3–4 फीट की सुरक्षित दूरी बनाए रखें। | कृषक भाई खासते या छिकते समय नाक व मुंह को ढंक कर रखे। |
| जहां तक संभव हो परिचित व्यक्तियों को ही कार्य में लगाए और आवश्यक पूछताछ के बाद ही लगाए ताकि कृषि कार्यो के दौरा किसी भी संदिग्ध या विषाणु वाहक के प्रवेश से बचा जा सकें।, | कृषि कार्यो के दौरान, साबुन और मास्क की सुनिश्चित उपलब्धता होना। |
| सभी मशीनों को प्रवेश द्वार और नियमित अंतराल पर सेनीटराइज (अच्छी तरह से सफाई) करते रहें सभी परिवहन वाहनों, जूट बोरों या अन्य पैकेजिंग समान को भी सेनीटराइज किया जाना चाहिए। | फसलों की कटाई व मढ़ाई के दौरान सभी के लिये अलग–अलग पानी की बोतल की व्यवस्था रखी जाये। |
| उत्पाद का संग्रहण 3–4 फीट की दूरी पर छोटी ढेरियों में किया जा सकता है और खेत स्तर के प्रसंकरण को प्रति ढेरीह 1–2 व्यक्तियों को दिया जाना चाहिए जिससे भीड़ से बचा जा सके। | फसलों की कटाई व मढ़ाई के दौरान डिस्पोज करने वाले जूते, दस्ताने व तीन तीन परत वाले मास्क को पहनने की सलाह। |